समाज सरोकार सम्बन्धी खबरों को प्रमुखता दे मीडिया-खान

माउण्ट आबू, 26 मई । राजस्थान के परिवहन, खेल व युवा मामलों के मंत्री युनूस खान ने आज ज्ञान सरोवर में 21 वी सदी में मीडिया के समक्ष मूल्य और चुनौतियाँ विषय पर आयोजित राष्टीय मीडिया सेमिनार के उद्‌घाटन सत्र को मुख्य अतिथि के रुप में संबोधित करते हुए कहा लोकतंत्र के चौथे स्तंभ में अब भी कुछ ऐसे लोग हैं, जो मूल्य आधारित जीवन जीने में विश्वास रखते हैं, उन्हीं के सहारे ये दुनिया चल रही है । निजी अनुभव देश भर से जमा हुए मीडियाकर्मियों से साझा करते हुए उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि अधिकांश टी.वी. चैनलों के कार्यक्रम बच्चों के साथ बैठकर देखना संभव नहीं रहा । कमोबेश कुछ समाचार पत्रों की प्रस्तुति भी ऐसी ही बन रही है । सस्ती लोकप्रियता एवं वर्चस्व व प्रभाव दिखाने की होड. में सनसनीखेज समाचारों की बहुतायत मीडिया की प्रतिष्ठा को प्रभावित कर रही है । सुबह से रात तक राखी सांवत और ऐश्वर्या राय के प्रकरण छोटे पर्दे पर परोसे जाते हैं । जिनसे आम आदमी का कोई सरोकार नहीं है । आज भी लोग पानी, बिजली और मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए जूझ रहे हैं । जरूरत उनकी समस्याओं को मीडिया के माध्यम से सकारात्मक सोच के साथ प्रतिबिम्बित करने की है ।

अध्यक्षीय अभिभाषण में संस्था के महासचिव ब्रह्माकुमार निर्वेर भाई ने कहा कि पतन व बुराई कि प्रत्येक सीमा लांघ रहे समाज को परिवर्तित करने के लिए ईश्वरीय ज्ञान नैतिक मूल्य व आध्यात्मिकता का समावेश जरुरी है । सरकार ने विभिन्न योजनाओं पर अरबों रुपये खर्च किये और देश को विश्व में प्रगति के मामले में दसवें स्थान पर पहुँचा दिया । लेकिन इसके बावजूद एक तिहाई आबादी देश की आजादी के साठ वर्ष बाद भी गरीबी रेखा से नीचे का जीवन बिता रही है, जो अमीर हैं मूल्यों की गरीबी से ग्रस्त है । अब भी बापू गांधी की सादगी और मूल्य आधारित जीवन वर्तमान संदर्भ में सार्थक दिखाई देता है । क्योंकि ईमानदारी, समाज के लिए त्याग और देशभक्ति की भावना लुप्त होती जा रही है । भारत को आध्यात्मिक विरासत के कारण महान माना जाता था। लेकिन वो विरासत अब सरकारी नीतियों का अंग नहीं रही । उसे खोजकर पुनर्प्रतिष्ठित करने का भागीरथी कार्य मीडिया ही कर सकता है ।

राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि साधनों में वृद्धि के बावजूद लोग प्रसन्नता और संतोष से वंचित होते जा रहे हैं । सच्चाई, पवित्रता और सद्‌भाव का हनन हुआ है । यदि हम किसी को दु:ख न देने और किसी से दु:ख न लेने का सिद्‌धांत अपना लें तो भारत की पुरानी सभ्यता पुनर्स्थापित करने के अभियान में सहयोगी बन सकते है ।

ब्रह्माकुमारीज संस्था के मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश व उपाध्यक्ष करुणाभाई ने अपने संबोधन में मीडियाकर्मियों से मूल्यों व स्वच्छ मान्यताओं का आधार मजबूत करने का आह्वान करते हुए निहित स्वार्थों के हाथों का खिलौना बनने से बचने की सलाह दी । उन्होंने संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि के अस्वस्थ होने के कारण न आ पाने पर उनकी ओर से भेजे गये संदेश का वाचन भी किया। परिचर्चा की शुरूआत करते हुए मूल्यानुगत मीडिया अभिक्रम समिति के राष्टीय समन्वयक प्रो. कमल दीक्षित ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद की पत्रकारिता के दौर में साधनों, तकनीकी विकास व व्यापक प्रशिक्षण के बावजूद मीडिया के क्षेत्रों में बहुतेरी चुनौतियाँ व मूल्य संकट उत्पन्न हुआ है विभिन्न परिणाम परक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि मीडिया एक लाभदायक व्यवसाय है । मीडिया के सरोकार

व्यावसायिक व समर्थ लोगों के प्रति झुके हैं। आम जीवन व जमीनी हकीकतों से उसकी दूरियाँ बढी है। निस्संदेह पत्रकार की आंतरिक शक्तियों का कमजोर हुई हैं। बाजार की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है, लेकिन अर्थभेद की खाई गहरा रही है, ये एक गहन सामाजिक संकट की ओर खतरनाक संकेत है। मूल्यों का संरक्षण इसीलिए आज मीडिया का प्रथम और अनिवार्य दायित्व है।

आकाशवाणी दिल्ली के केन्द्रा निदेशक श्रीवर्द्धन कपिल ने संस्था द्वारा प्रतिवर्ष मीडिया सम्मेलन व सेमिनार आयोजित करने की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कि सौ करोड की आबादी वाले देश में महज दो लाख इंटरनेट कनेक्शनों के सहारे महाशक्ति बनने का दावा करना तब तक सार्थक नहीं होगा, जब तक कि आध्यात्मिक क्रांति और सामाजिक परिवर्तन लाने के स्वप्न साकार नहीं होते। लोकतंत्र को सीधे प्रभावित करने वाले मीडिया में मूल्यों पर आधारित परिवर्तन का रास्ता अरावली पर्वत श्रृंखला से ही होकर गुजरेगा ऐसा उन्होंने विश्वास जताया।

दूरदर्शन दिल्ली के वरिष्ठ केन्द्र निदेशक वी.ए. मेगजीन ने प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए आत्म नियमन व आत्म संयम की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि जिस समाज में हम जी रहे हैं, उसकी पारंपरिक मर्यादाओं का हनन सुबह सवेरे के टी.वी. कार्यक्रमों से ही शुरू हो जाता है। कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से दर्शक, पाठक व श्रोताओं की स्वतंत्रता को नहीं रौंद सकते। हिंसा, साम्प्रदायिक तनाव के समाचारों में पहले जितना संयम न बरते जाने पर भी उन्होने चिंता जतायी। श्री मेगजीन ने सावधान किया कि मीडिया निष्पक्षता व सच्चाई खोकर अपनी प्रतिष्ठा नहीं बचा सकता।

सभी आमंत्रित अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ब्रह्माकुमारी शीलू बहन ने अनुभूति सम्पन्न राजयोग का अभ्यास कराया। मंच संचालन का दायित्व जयपुर से आयी ब्रह्माकुमारी सुषमा बहन ने निभाया।